[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3575 J

Unique Paper Code : 12131101

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Poetry)

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

1. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate the following :

वैवस्वतो मनुर्नाम माननीयो मनीषिणाम् ।

आसीन्महीक्षितामाद्यः प्रणवश्छन्दसामिव ।।

अथवा (Or)

जुगोपात्मानमत्रस्तो भेजे धर्ममनातुरः ।

अगृध्नुराददे सोऽर्थमसक्तः सुखमन्वभूत् ।।

(ख) कदाचिदासन्नसखीमुखेन सा मनोरथज्ञं पितरं मनस्विनी ।

अयाचतारण्यनिवासमात्मनः फलोदयान्ताय तपःसमाधये ।।

अथवा (Or)

शिलाशयां तामनिकेतवासिनीं निरन्तरास्वन्तरवातवृष्टिषु ।

व्यलोकयन्नुन्मिषितैस्तडिन्मयैर्महातपःसाक्ष्य इव स्थिताः क्षपाः ।।

(ग) श्रियः कुरूणामधिपस्य पालनीं, प्रजासु वृत्तिं यमयुङ्क्त वेदितुम् ।

स वर्णिलिङ्गी विदितः समाययौ, युधिष्ठिरं द्वैतवने वनेचरः ।।

अथवा (Or)

विधाय रक्षान् परितः परेतरानशङ्किताकारमुपैति शङ्कितः ।

क्रियाऽपवर्गेष्वनुजीविसात्कृताः कृतज्ञतामस्य वदन्ति सम्पदः ।।

(घ) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं,

तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः ।

यदा किञ्चित्किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं,

तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः ।।

अथवा (Or)

हर्तुर्याति न गोचरं किमपि शं पुष्णाति यत्सर्वदा-

ऽप्यर्थिभ्यः प्रतिपाद्यमानमनिशं प्राप्नोति वृद्धिं पराम् ।

कल्पान्तेष्वपि न प्रयाति निधनं विद्याख्यमन्तर्धनं

येषां तान्प्रति मानमुज्झत नृपाः कस्तै सह स्पर्धते ।।

2. निम्नलिखित की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए : (3×8=24)

Explain with reference to the context of the following :

(क) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः ।

तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम् ।।

अथवा (Or)

स्थित्यै दण्डयतो दण्ड्यान्परिणेतुः प्रसूतये ।

अप्यर्थकामौ तस्यास्तां धर्म एव मनीषिणः ।।

(ख) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नमनोरथा सती ।

निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ।।

अथवा (Or)

मृणालिकापेलवमेवमादिभिर्व्रतैः स्वमङ्गं गलपयन्त्यहर्निशम् ।

तपः शरीरैः कठिनैरुपार्जितं तपस्विनां दूरमधश्चकार सा ।।

(ग) स किं सखा साधु न शास्ति योऽधिपं, हितान्न यः संशृणुते स किं प्रभुः ।

सदानुकुलेषु हि कुर्वते रतिं, नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ।।

अथवा (Or)

अनारतं तेन पदेषु लम्भिता विभज्य सम्यग्विनियोगसत्क्रियाः ।

फलन्त्युपायाः परिबृंहितायतीरुपेत्य संघर्षमिवार्थसम्पदः ।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2×10=20)

Answer any **two** of the following :

(क) कालिदास की काव्यशैली पर निबन्ध लिखिए ?

Write an essay on the poetic style of Kalidas.

(ख) कुमारसम्भव के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती के चरित्र की विशेषताएँ बताइए ?

Describe the salient featurs of Parvati's character on the basis of 5th canto of Kumarsambhavam.

(ग) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग की विषय-वस्तु पर टिप्पणी लिखिए?

Write a note on the content of the 1st canto of Kiratarjuniyam.

(घ) भर्तृहरि के अनुसार विद्वद्पद्धति का वर्णन कीजिए ?

Describe the विद्वद्पद्धति according to Bhartrihari.

(ङ) संस्कृत गीतिकाव्यों के उद्भव एवं विकास पर टिप्पणी कीजिए ?

Describe the origin and development of Sanskrit Gitikavyas.

4. प्रश्न संख्या 1, 2 में से किन्हीं **चार** रेखांकित शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए - (4×1=4)

Write grammatical notes on any **four** of the underlines words in questions no 1, 2.

5. निम्नलिखित श्लोकों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :

Read the following verses carefully and answer the questions below in Sanskrit :

(क) कथाप्रसंगेन जनैरुदाहृतादनुस्मृताखण्डलसूनुविक्रमः । (3)
तवाभिधानाद्व्यथते नताननः सु दुःसहान्मन्त्रपदादिवोरगः ।।

(i) कस्य इयमुक्तिः ?

(ii) अखण्डलसूनु कः ?

(iii) नताननः भूत्वा कः दुःखं प्राप्नोति ?

(ख) शक्यो वारयितुं जलेन हुतभुक् छत्रेण सूर्यातपो, (4)
नागेन्द्रो निशिताङ्कुशेन समदो दण्डेन गोगर्दभौ ।
व्याधिर्भेषज सङ्ग्रहैश्च विविधैर्मन्त्रप्रयोगैर्विषं,
सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहितं मूर्खस्य नास्त्यौषधम् ।।

(i) शास्त्रेषु कस्य औषधीः नास्ति ?

(ii) सूर्यातपः केन रोद्धुं शक्यते ?

(iii) अंकुशेन कः वशीक्रियते ?

(iv) विषस्य औषधं किम् ?

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3576 J

Unique Paper Code : 12131102

Name of the Paper : Critical Survey of Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

Attempt any **four** of the following questions :

(i) ऋग्वेद के वर्ण्य-विषय का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the subject matter of Rgveda.

(ii) आदिकाव्य के रूप में रामायण की समीक्षा कीजिए। (10)

Discuss the Ramayana as an Adikavya.

(iii) विश्वकोश के रूप में महाभारत का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the Mahabharata as an encyclopedic.

(iv) पुराणों के सामाजिक महत्त्व का वर्णन कीजिए। (10)

Discuss the social importance of Puranas.

(v) अलंकार सम्प्रदाय पर निबन्ध लिखिए। (10)

Write an essay on the Alankar sampradaya.

(vi) भारतीय दर्शन के प्रमुख सम्प्रदायों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (10)

Give an brief introduction to major schools of Indian philosophy.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (5×4=20)

Write short notes on any **four** of the following :

(क) सामवेद

(ख) यजुर्वेद

(ग) अष्टाध्यायी

(घ) कात्यायन

(ङ) उत्तरमीमांसा

(च) रीति

(छ) वक्रोक्ति

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (10×1=10)

Attempt any **ten** questions of the following :

(i) रामायण का रचनाकाल क्या है ?

What is the creation time of Ramayana.

(ii) महाभारत के पर्वों के नाम बताओं।

Write the names of parvas of Mahabharta.

(iii) ऋग्वेद की उपलब्ध शाखाओं के नाम लिखिए।

Write the names of the available branches of Rigveda.

(iv) कृष्ण यजुर्वेद की संहिताओं के नाम बताओं।

Write the names of samhita of Krishna Yajurveda.

(v) अथर्ववेद के उपवेदों के नाम बतलाईये।

Write the names of upa-vedas of Atharva Veda.

(vi) उपनिषद् का अर्थ बतलाईये।

Write the meaning of Upnishad.

(vii) ध्वनि सिद्धान्त के प्रतिष्ठापक आचार्य कौन है।

Who is the founder acharya of Dhvani Siddhanta.

(viii) दर्शन शब्द का अर्थ लिखिए।

Write the meaning of Philosophy.

(ix) योगदर्शन में वर्णित नियमों के नाम लिखिए।

Write the names of Niyamas as described in Yogadarshan.

(x) पुराणों का वर्ण्य-विषय क्या है ?

What is the subject matter of Puranas.

(xi) काव्यालंकार सारसंग्रह के रचनाकार कौन है ?

Who is the writer of Kavyalankara Sarasamgraha.

(xii) महाभारत की विभिन्न अवस्थाओं के नाम लिखिए।

Write the name of deferent stages of Mahabharata.

(xiii) वेदांग कितने हैं ? इनके नाम लिखिए।

How many Vedangas? Write their names.

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए : (5)

Write short note in Sanskrit any **one** of the following :

(i) आरण्यक

(ii) ब्राह्मण

(iii) सांख्ययोग

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 2534

Unique Paper Code : 12131301 JC

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Drama)

Name of the Course : B.A. (H) Sanskrit -CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 3×4=12

Translate the following :

P.T.O.

(क) परिहरतु भवान् नृपापवादं, न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम्।
नगरपरिभवान् विमोक्तुमेतें, वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति।

अथवा/*Or*

प्रच्छाद्य राजमहिषीं नृपतेहितार्थं,
कामं मया कृतमिदं हितमित्यवेक्ष्य।
सिद्धेऽपि नाम मम कर्मणि पार्थिवाऽसौ,
किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशंकितं मे॥

(ख) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्व काया,
निष्कम्पचामरशिखा निभृतोर्ध्वकर्णा:।
आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलंघनीया,
धावन्त्यमी मृगजवाक्ष मयेव रथ्या:॥

अथवा/*Or*

रम्यान्तर: कमलिनीहरितै: सरोभिश्छायाद्रुमैर्नियमितार्क-
मयूखताप:।
भूयात् कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्या:, शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च
पन्था:॥

(ग) आस्वादितद्विरदशोणितशोणशोभां,
सन्ध्यारुणामिवकलां शशलाञ्छनस्य।
जृम्भाविदारितमुखस्य मुखात्स्फुरन्ती,
को हेतुमच्छति हरे: परिभूयदंष्ट्राम्॥

अथवा/*Or*

परार्थानुष्ठाने रहयति नृपं स्वार्थपरता
परित्यक्तस्वार्थौ नियतमयथार्थ: क्षितिपति:।
परार्थश्चेत्स्वार्थादमिमतरो हन्त परवान्,
परायन्त: प्रीते: कथमिव रसं वेत्ति पुरुष:॥

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×6=18

Explain the following with reference to context :

(क) पद्मावती नरपते र्महिषी भवित्री,
दृष्टा विपत्तिरथ: यै: प्रथमं प्रदिष्टा।
तत्प्रत्ययात् कृतमिदं न हि,
सिद्धवाक्यान्युत्क्रम्य गच्छति विधि: सुपरीक्षितानि॥

अथवा/*Or*

सम्बन्धिराज्यमिदमेत्य महान प्रहर्ष:,
स्मृत्वा पुनर्नृपसुतानिधनं विषाद:।
किं नाम दैव ! भवता न कृतं यदि
स्यात् राज्यं परैरपहृतं कुशलं च देव्या:॥

(ख) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं,
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी,
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

अथवा/*Or*

अभिजनवतो भर्तुः श्लाघ्ये स्थिता गृहिणीपदे,

विभवगुरुभिः कृत्यैस्तस्य प्रतिक्षणमाकुला।

तनयमचिरात्प्राचीवार्कं प्रसूय च पावन,

मम विरहजां न त्वं वत्से शुचं गणयिष्यसि ॥

(ग) इष्टात्मजः सपदि सान्वय एव देवः,

शार्दूलपोतमिव यं परिपोष्य नष्टः।

तस्यैव बुद्धिविशिखेन भिनद्मि

मर्म वर्मीमवेद्यदि न दैवमदृश्यरूपम् ॥

अथवा/*Or*

यो नन्दमौर्यनृपयोः परिभूय लोकम्,

अस्तोदयौ प्रतिदिशन्नविभिन्नकालम्।

पर्यायपातितहिमोष्णमसर्वगामि,

धाम्नातिशाययति धाम सहस्रधाम्नः।।

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :

Explain any *one* of the following in Sanskrit :

स्वयमाहृत्य भुंजानाबलिनोऽपि स्वभावतः।

गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायःसीदन्ति दुखिताः।।

अथवा/*Or*

मानुषीषु कथं वा स्यादस्य रूपस्य संभवः।

न प्रभातरलं ज्योतिरुदेति वसुधातलात्।।

अथवा/*Or*

प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।

भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता।। 1×7=7

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

प्रस्तावना, नटी, विदूषक, कञ्चुकी। 2×4=8

5. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के आधार पर तत्कालीन सामाजिक स्थिति का वर्णन कीजिए। 15

Discuss the social issues on the base of 'Swapnvasadattam'.

अथवा/*Or*

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अंक का महत्त्व बताइए।

Bring out the importance of the fourth act of 'Abhijyanshakuntalam'.

अथवा/*Or*

'मुद्राराक्षस' नाटक के आधार पर 'विशाखदत्त' की नाट्यशैली की विवेचना कीजिए।

Discuss the Dramatic style of 'Vishakhadatta' on the basis of 'Mudrarakshasa'.

6. संस्कृत नाटकों के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 15

Discuss the nature of Sanskrit drama.

अथवा/*Or*

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

भवभूति, श्रीहर्ष, शूद्रक, भट्टनारायण।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2536**

Unique Paper Code : **12131303** **JC**

Name of the Paper : **Indian Social Institutions and Polity**

Name of the Course : **B.A. (Hons) Sanskrit Core (CBCS)**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग—'क' (Section A)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. धर्म का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके भेदोपभेदों का वर्णन कीजिए।

3×15=45

Discuss the nature of Dharma and its various types.

2. भारतीय सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए।

Discuss the main sources of Indian Social Institutions.

3. वर्णाश्रम व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

Discuss the Varnashrama System.

4. वराहमिहिर के द्वारा किये गये नारी प्रशस्ति का वर्णन कीजिए।

Discuss the praise of women by Varahamihira.

5. वैदिक ग्रन्थों के अनुसार सभा और समिति का परिचय देते हुए इनके बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Introduce the institutions Sabha and Samiti according to Vedic texts. How are they different from each other ?

6. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अनुसार कल्याणकारी राजव्यवस्था की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

Discuss the concept of Welfare State, according to Kautilya's Arthasastra.

7. सत्याग्रह दर्शन के विशेष संदर्भ में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।

Discuss the relevance of Gandhian thought with special reference to Satyagraha Philosophy.

भाग—'ख' (Section B) 2×7=14

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :

Write notes on any *two* of the following :

(क) सप्ताङ्ग सिद्धान्त (Principle of Saptanga)

(ख) षाड्गुण्य (Sadgunya)

(ग) मनु (Manu)

(घ) सोमदेव सूरि (Somadeva Suri) ।

भाग—'ख' (Section B) 2×8=16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए :

Explain any *two* of the following verses :

(क) श्रुतिः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियमात्मनः।
एतच्चतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम्।।

(ख) चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः।
तस्य कर्तारमपि मां विद्ध्यकर्तारमव्ययम्।।

(ग) अराजके हि लोकेऽस्मिन्सर्वतो विद्रुते भयात्।
रक्षार्थमस्य सर्वस्य राजानमसृजत्प्रभुः।।

(घ) रक्षणं सर्वभूतानामिति क्षात्रं परं मतम्।
तद् यथा रक्षणं कुर्यात् तथा शृणु महीपते।।

(30)

This question paper contains 4+2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2535**

Unique Paper Code : **12131302** **JC**

Name of the Paper : **Poetics and Literary Criticism**

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit—CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Attempt *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. संस्कृत साहित्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 10

Give a brief introduction to Sanskrit Poetics.

अथवा/(*Or*)

मम्मट के काव्यलक्षण की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the definition of काव्यलक्षण by Mammata.

2. कथा और आख्यायिका का लक्षण देते हुए दोनों का अन्तर समझाइए। 10

Define कथा and आख्यायिका and identify the differences between the two.

अथवा/(*Or*)

साहित्यदर्पण के अनुसार महाकाव्य का परिचय दीजिए।

Introduce the genre of Mahākāvya according to Sāhityadarpana.

3. दृश्यकाव्य तथा श्रव्यकाव्य का अन्तर समझाइये तथा इनके भेदों पर निबन्ध लिखिए। 10

Explain the defference between Drsyakāvya and Sravyakāvya and write an essay on their types.

अथवा/(*Or*)

किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any *two* :

(*i*) काव्यप्रयोजन

(*ii*) चम्पू

(*iii*) काव्यहेतु

(*iv*) नाटक

4. काव्य में शब्दशक्तियों के महत्व पर प्रकाश डालिए। 8

Throw light on the importance of Sabdasakti in Poetry.

अथवा/(*Or*)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

(*i*) अभिधा

(*ii*) लक्षणा

(*iii*) व्यञ्जना

(*iv*) तात्पर्यार्थ

5. भरत के रससूत्र की भट्टनायककृत व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए। 11

Evaluate of Bhattanayaka's explanation of Bharata's Rasasutra.

अथवा/(*Or*)

रस की अलौकिकता पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the transcendental nature (Alaukikata) of Rasa.

6. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए : 2×5=10

Define with examples any *two* of the following figures of speech :

यमक, उपमा, अनुप्रास, दीपक, उत्प्रेक्षा

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम निर्देश कीजिए : 2×3=6

Identify the figures of speech in any *two* of the following verses and show the application of their definitions :

(*i*) प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता।
अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्रमपि॥

(*ii*) आहवे जगदुद्दण्डराजमण्डलराहवे।
श्रीनृसिंह महीपाल स्वस्त्यस्तु तव बाहवे॥

(*iii*) नेदं नभोमण्डलमम्बुराशिर्नैताश्चतारा नवफेनभङ्गाः।
नायं शशी कुण्डलितः फणीन्द्रो नासौ कलङ्कः शयितो मुरारी॥

(*iv*) बृहत्सहायः कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति।
सम्भूयाम्भोधिमभ्येति महानद्या नगापगा॥

7. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिए : 2×3=6

Define and illustrate any *two* of the following metres :

इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, मालिनी

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइये : 2×2=4

Scan and name the meters in any *two* of the following :

(*i*) आपरितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥

(*ii*) त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देवदेव:॥

(*iii*) वागार्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगत: पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

(*iv*) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजा:।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥

This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3054**

Unique Paper Code : **12137901** **JC**

Name of the Paper : **Indian System of Logic and Debate**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit-CBCS : DSE**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section 'A'/खण्ड 'अ'

1. निम्न में से किसी **एक** पर निबन्ध लिखिए : 9

Write an essay on any *one* of the following :

(*a*) वादकला एवं आन्वीक्षिकी

Ānvīkṣikī and art of Debate

(*b*) परिषद्

The council of Debate

(*c*) वादोपाय

The Expediance of Debate

2. निम्न में से किन्हीं **दो** पर लघु टिप्पणी लिखिए : 3×2=6

Write short notes on any *two* of the following :

वादमर्यादा (Vādamaryādā), मध्यस्थ (Judge), वादोपाय (Madhyasth),

खण्ड 'ब'/Section 'B'

3. निम्न में से किन्हीं **दो** को उद्धाटित कीजिए : 10×2=20

Expose any *two* of the following :

(*a*) पञ्चावयव (Five components of argument)

(*b*) उपाधि (Upādhi)

(*c*) व्याप्ति के प्रकार (Types of invariable concomitance)

(*d*) तर्क की आवश्यकता (Tarka and its requirement)

4. निम्न में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए : 5

Write a short note on any *one* of the following into Sanskrit :

सपक्ष (Illustration), उपनय (Application)

खण्ड 'ग'/Section 'C'

5. निम्न में से किन्हीं **पाँच** पदों को उद्धाटित कीजिए : 7×5=35

Expose any *five* of the following technical terms :

(*a*) जाति के प्रकार (Types of Jati)

(*b*) छल (Quibble)

(*c*) दृष्टान्त (Dṛṣṭānta)

(*d*) कथा के प्रकार (Kinds of Dialogue)

(*e*) प्रतिज्ञासन्यास (Renouncing the proposition)

(*f*) मतानुज्ञा (Admission of an Opinion).

This question paper contains 4+1 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2919**

Unique Paper Code : **12131502** **JC**

Name of the Paper : **Sanskrit Grammar**

Name of the Course : **B.A. (H.) Sanskrit CBCS**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

Answer *All* questions.

P.T.O.

भाग-'क'/Section-'A'

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** संज्ञाओं का सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रयोजन स्पष्ट कीजिये : 3×2=6

Explain with Sutras any *three* of the following Sanjnas :

गुण, पद, संहिता, अनुनासिक, संयोग

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वर्णों के उच्चारण स्थान एवं आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : 2×2=4

Write स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of any *two* of the following :

क्, ञ्, ङ्, ऋ, श्

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : 4×1=4

Write letters of any *four* of the following pratyaharas :

अट्, हश्, यण्, जश्, शल्, झय्

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : 2×3=6

Explain any *two* of the following Sutras :

यथासंख्यमनुदेशः समानाम्, विप्रतिषेधे परं कार्यम्, हलन्त्यम्, तपरस्तत्कालस्य

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सूत्रोल्लेखपूर्वक सन्धि कीजिए : 3×2=6

Join the Sndhis in any *three* of the following with mention relevant sutras :

महा+ऋषिः, सुधी+उपास्यः, हरे+अव, तत्+टीका, तत्+मात्रम्, रामः+आगच्छति

(ग) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **तीन** में प्रमुख सूत्र का निर्देश करते हुए विच्छेद कीजिए : 3×2=6

Disjoin any *three* of the following words with mention main sutra :

हरये, रामष्टीकते, प्राच्छति, भो देवाः, हरिश्शेते, शम्भू राजते

(घ) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं **तीन** में विच्छेद कीजिए : 3×1=3

Disjoin any *three* of the following words :

चैव, देहिनोऽस्मिन्, अजो नित्यः, संस्कारा प्राक्तनाः, त्वेव

भाग 'ख'/Section 'B'

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : 4×2.5=10

Explain any *four* of the following Sutras with examples :

अव्ययीभावे चाकाले, विशेषणं विशेष्येण बहुलम उपपदमतिङ्, समर्थः पदविधिः, अनेकमन्यपदार्थे, षष

(ख) निम्नलिखित समस्त पदों में से किन्हीं **तीन** पदों सूत्रोल्लेखपूर्वक विग्रह कीजिए : 3×3

Divulge any *three* of the following compound wo with mention relevant Sutras :

कुपुरुषः, यूपदारु, घनश्यामः, पीताम्बरम् अधिगोपम्, ि

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सूत्रोल्लेखपूर्वक स कीजिए : 3

Compound any *three* of the following with rele Sutras :

पञ्चानां गङ्गानां समाहारः, अग्निग्रन्थपर्यन्तम्, न ब्रा वीराणि पुरुषाणि यस्मिन् सः, शिवश्च केशवश्च

भाग 'ग'/Section 'C'

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सूत्रनिर्देश प्रकृति-प्रत्यय विभाग कीजिए :

Separate roots and suffixes in any *three* of the foll words with relevant Sutras :

गृहीतः, धारकः, अनुकृत्य, वक्तुम्, उषित्वा, पचन्त

(ख) निम्नलिखित धातुओं एवं प्रत्ययों में से किन्हीं **दो** को सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्ध कीजिए : 2×2=4

Join root and suffixes in any *two* of the following mentioning relevant sutras :

भिद्+तव्यत्, छिद्+तुमुन्, कृ+तृच्, सृज्+क्त

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए : 2×2.5=5

Explain any *two* of the following Sutras with examples :

ईद्यति, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, कर्तरि कृत्, निष्ठा

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3058**

Unique Paper Code : **12137905** **JC**

Name of the Paper : **Sanskrit Linguistics**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit—CBCS-DSE**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

P.T.O.

1. भाषाविज्ञान की क्या आवश्यकता है ? भाषाविज्ञान के अंगों पर विस्तार से लिखिये। 12

What is the need of Linguistics ? Discuss the special branches of Linguistics.

अथवा/*Or*

भाषाविज्ञान और व्याकरणशास्त्र एक-दूसरे के उपकारी हैं — स्पष्ट कीजिए।

Discuss and explain that Linguistics and Grammar both are complimentary to each other.

2. शब्द और पद में क्या अन्तर है ? रूप परिवर्तन के कारण उदाहरण देकर विस्तार से लिखिए। 12

What is the difference between śabda and pada ? Write in detail the reasons for morphological changes with examples.

अथवा/*Or*

संस्कृत भाषा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

Write the important characteristics of Sanskrit language.

3. विश्व भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण के प्रमुख आधार क्या हैं, विवेचना कीजिए। 13

Critically discuss the basic reasons of genealogical classification of world languages.

अथवा/*Or*

भारोपीय भाषा परिवार की विशेषताएँ लिखिए।

Write the special features of Indo European language family.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 7+7=14

Write short notes on any *two* of the following :

(*a*) बोली

Dialect

(*b*) भाषा की उत्पत्ति के सन्दर्भ में दैवी सिद्धान्त

Divine theory in context of origin of language

(*c*) वैदिक ध्वनि समूह

Vedic Phonemes

(*d*) वाक्य परिवर्तन के प्रमुख कारण

Important reasons of syntactical change

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर अति संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5+5=10

Write very short notes on any *two* of the following :

(*a*) स्वराघात

Swarāghāta

(*b*) अर्थोत्कर्ष

Elevation of Meaning

(*c*) उद्देश्य और विधेय

Subject and Predicate

(*d*) वर्णविकार

Varṇavikara

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 7+7=14

Write short notes on any *two* of the following :

(*a*) प्रातिशाख्य

Prātiśākhya

(*b*) कात्यायन

Kātyāyana

(*c*) एल. टर्नर

L. Turner

(*d*) डॉ. पी.डी. गुणे

Dr. P. D. Gune

This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2895**

Unique Paper Code : **12131501** **JC**

Name of the Paper : **Vedic Literature**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (Core) CBCS**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

All questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

खण्ड 'क' (Section A)

1. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 8×2=16

Explain the following Mantras :

(क) स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव। सचस्वा नः स्वस्तये॥

अथवा/*Or*

य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्यं छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

(ख) ऋतावरी दिवो अर्कैरबोध्या रेवती रोदसी चित्रमस्थात्।
आयतीमग्न उषसं विभातीं वाममेषि द्रविणं भिक्षमाणः॥

अथवा/*Or*

मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन् मा स्वसारमुत स्वसा।
सम्यञ्च सव्रता भूत्वा वाचं वदत भद्रया॥

2. निम्नलिखित मन्त्र की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिए : 7

Explain the following Mantra in **Sanskrit** :

समानी प्रपा सह वोऽन्नभागः समाने योक्त्रे सह वो युनज्मि।
सम्यञ्चोऽग्निं सपर्यतारा नाभिमिवाभितः॥

अथवा/*Or*

जाया तप्यते कितवस्य हीना माता पुत्रस्य चरतः क्व स्वित्।
ऋणावा बिभ्यद्धनमिच्छमानोऽन्येषामस्तमुप नक्तमेति॥

3. शिवसंकल्प सूक्त में वर्णित मन के स्वरूप का वर्णन कीजिए। 10

Describe the Mana according to Śivasaṃkalpa Sūkta.

अथवा/*Or*

हिरण्यगर्भ सूक्त की विषयवस्तु का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

Describe the subject matter of Hiraṇyagarbha Sūkta in your own words.

खण्ड 'ख' (Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×5=10

(क) आश्रित स्वरित

(ख) वैदिक तुमर्थक प्रत्यय

(ग) लेट् लकार।

Write notes on any *two* of the following :

(*a*) Āshrita Svarita

(*b*) Vaidika Tumarthaka Pratyaya

(*c*) Leṭ lakāra.

5. प्रश्न संख्या 1 में से किसी **एक** मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। 6

Render into Padapāṭha any *one* of the mantras from the Question No. **1**.

अथवा/*Or*

पदपाठ के किन्हीं छः नियमों का वर्णन कीजिए।

Write any *six* rules of Padapāṭha.

P.T.O.

खण्ड 'ग' (Section C)

6. निम्नलिखित मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : 2×8=16

Explain the following Mantras :

(क) भिद्यते हृदयग्रन्थिश्छिद्यते सर्वसंशया:।
क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन् दृष्टे परावरे॥

अथवा/*Or*

प्लवा ह्येते अदृढा यज्ञरूपा अष्टादशोक्तमवरं येषु कर्म।
एतच्छ्रेयो येऽभिनन्दन्ति मूढा जरामृत्युं ते पुनरेवापि यन्ति॥

(ख) धनुर्गृहीत्वैवोपनिषदं महास्त्रं शरं ह्युपासानिशितं सन्धयीत।
आयम्य तद्भावगतेन चेतसा लक्ष्यं तदेवाक्षरं सोम्य विद्धि॥

अथवा/*Or*

यथा नद्य: स्यन्दमाना: समुद्रेऽस्तं गच्छति नामरूपे विहाय।
तथा विद्वान् नामरूपाद् विमुक्त: परात् परं पुरुषमुपैति-दिव्यम्॥

7. मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा एवं अपरा विद्या का वर्णन कीजिए। 10

Explain Parā and Aparā Vidyā on the basis of Muṇḍakopaniṣad.

अथवा/*Or*

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजए।

Explain the nature of Brahma according to Muṇḍakopaniṣad.